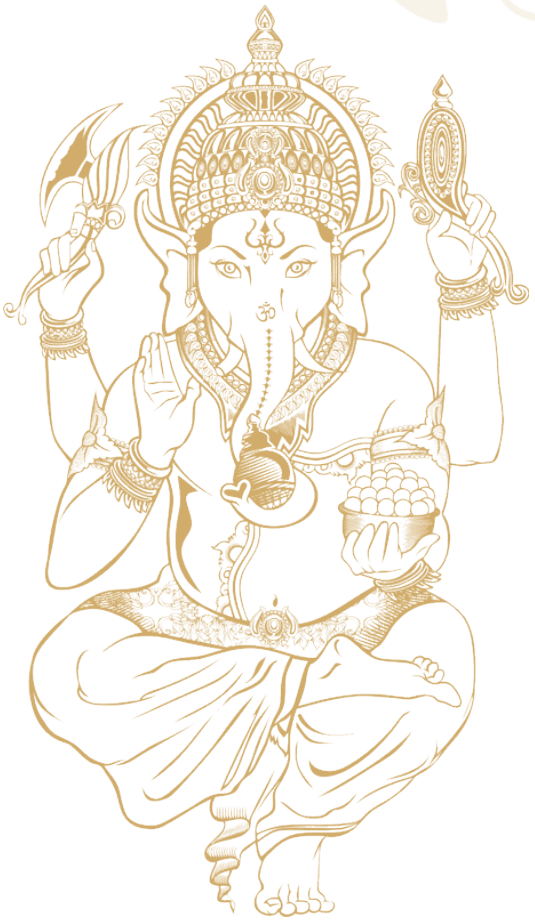

Mr.

30 Jan 2026

01:49 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121111104

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/01/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**13:49:00 घंटे**
इष्ट	16:35:50 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:27:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:15 घंटे
साम्पातिक काल	22:06:13 घंटे
सूर्योदय	07:10:40 घंटे
सूर्यास्त	17:58:30 घंटे
दिनमान	10:47:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	16:13:24 मकर
लग्न के अंश	21:44:51 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वैधृति
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	घ-घनश्याम
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	21:44:51	357:19:54	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	---
सूर्य			मक	16:13:24	01:00:55	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	11:43:36	14:34:35	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	11:12:39	00:46:55	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	उच्च राशि
बुध		अ	मक	22:20:14	01:45:25	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	23:19:27	00:06:53	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	21:52:46	01:15:18	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	04:15:21	00:05:48	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:00:36	00:04:18	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:00:36	00:04:18	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:14:46	00:00:15	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:52:17	00:01:37	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:25:15	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	05:13:02	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:24

लग्न-चलित

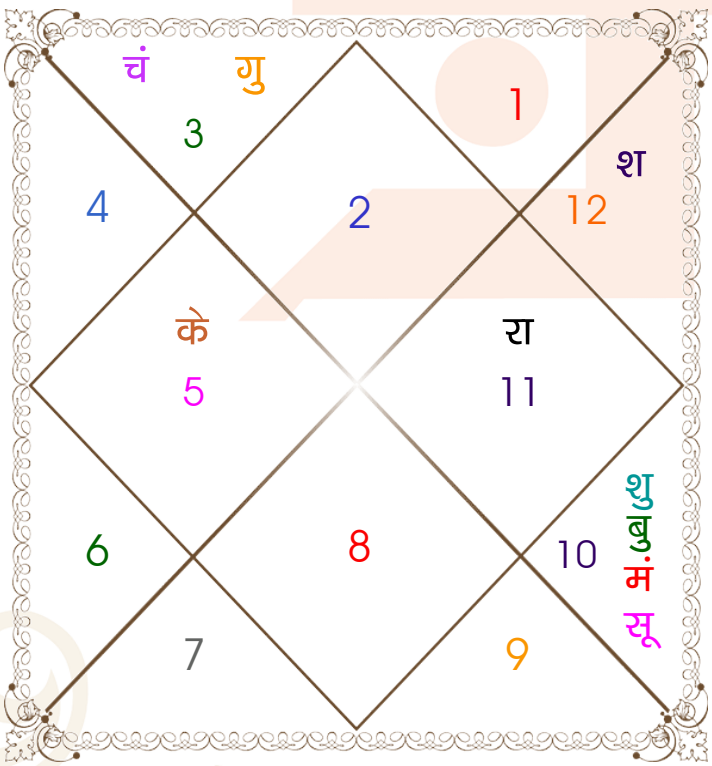

चन्द्र कुंडली

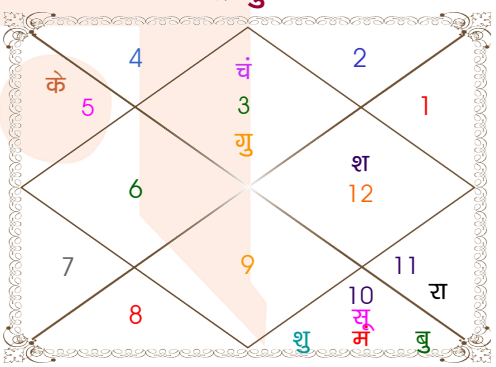

नवमांश कुंडली

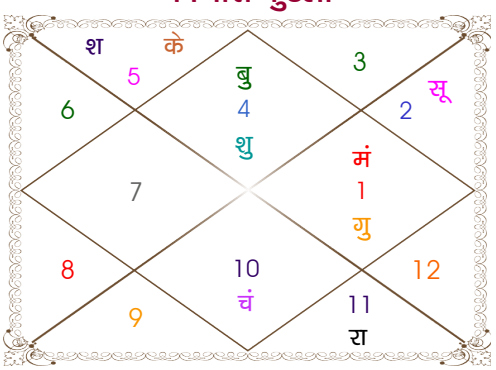

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 11 वर्ष 2 मास 0 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
30/01/2026		02/04/2037		02/04/2053		01/04/2072		02/04/2089	
02/04/2037		02/04/2053		01/04/2072		02/04/2089		01/04/2096	
	00/00/0000	गुरु	21/05/2039	शनि	04/04/2056	बुध	29/08/2074	केतु	29/08/2089
	30/01/2026	शनि	01/12/2041	बुध	13/12/2058	केतु	26/08/2075	शुक्र	29/10/2090
शनि	15/03/2027	बुध	08/03/2044	केतु	22/01/2060	शुक्र	26/06/2078	सूर्य	06/03/2091
बुध	01/10/2029	केतु	12/02/2045	शुक्र	24/03/2063	सूर्य	02/05/2079	चंद्र	05/10/2091
केतु	20/10/2030	शुक्र	14/10/2047	सूर्य	05/03/2064	चंद्र	01/10/2080	मंगल	02/03/2092
शुक्र	19/10/2033	सूर्य	01/08/2048	चंद्र	04/10/2065	मंगल	28/09/2081	राहु	20/03/2093
सूर्य	13/09/2034	चंद्र	01/12/2049	मंगल	13/11/2066	राहु	17/04/2084	गुरु	24/02/2094
चंद्र	14/03/2036	मंगल	07/11/2050	राहु	19/09/2069	गुरु	23/07/2086	शनि	05/04/2095
मंगल	02/04/2037	राहु	02/04/2053	गुरु	01/04/2072	शनि	02/04/2089	बुध	01/04/2096

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
01/04/2096		02/04/2116		03/04/2122		02/04/2132		03/04/2139	
02/04/2116		03/04/2122		02/04/2132		03/04/2139		00/00/0000	
शुक्र	02/08/2099	सूर्य	21/07/2116	चंद्र	01/02/2123	मंगल	29/08/2132	राहु	14/12/2141
सूर्य	02/08/2100	चंद्र	19/01/2117	मंगल	02/09/2123	राहु	17/09/2133	गुरु	09/05/2144
चंद्र	03/04/2102	मंगल	27/05/2117	राहु	03/03/2125	गुरु	24/08/2134	शनि	31/01/2146
मंगल	03/06/2103	राहु	21/04/2118	गुरु	03/07/2126	शनि	03/10/2135		00/00/0000
राहु	03/06/2106	गुरु	07/02/2119	शनि	01/02/2128	बुध	29/09/2136		00/00/0000
गुरु	01/02/2109	शनि	20/01/2120	बुध	03/07/2129	केतु	25/02/2137		00/00/0000
शनि	02/04/2112	बुध	26/11/2120	केतु	01/02/2130	शुक्र	27/04/2138		00/00/0000
बुध	01/02/2115	केतु	03/04/2121	शुक्र	03/10/2131	सूर्य	02/09/2138		00/00/0000
केतु	02/04/2116	शुक्र	03/04/2122	सूर्य	02/04/2132	चंद्र	03/04/2139		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 11 वर्ष 2 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त है। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगे।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ते रहेंगे। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगे, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगे। आप कभी भी छलांग नही लगाते। आप समय की प्रतिक्षा करते हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरुप कार्य करते हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करते हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहते हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेते हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नही हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करते हैं। परिणाम रुवरूप आप यथेष्ठ रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगे। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगे।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एव विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगे। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकते हैं। अर्थात अपना जीवन आनंदमय बना सकते हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाते हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद के गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरूचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगे।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांढ़ की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगे।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगे।

आप अपने परिवार को अच्छि प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था करेंगे।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाले हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकते हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकते हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।